भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1463

उत्तर देने की तारीख 12.02.2026

जी20 सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक सांस्कृतिक कूटनीति

1463. श्री अमर पाल मौर्य :
श्री शंभू शरण पटेल :
श्री राजीब भट्टाचार्जी :
श्री कणाद पुरकायस्थ :
श्रीमती रमिलाबेन बेचारभाई बारा :
श्री केसरीदेवसिंह झाला :
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे :
श्री मयंककुमार नायक :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत की जी 20 के बाद की सांस्कृतिक विरासत पहलों के अंतर्गत विकसित या उपयोग में लाई गई सांस्कृतिक परिसंपत्तियां, प्रदर्शनियां या संस्थान कौन-कौन से हैं;
(ख) उक्त अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोगों का किस प्रकार विस्तार हुआ है;
(ग) जी20 से संबंधित सांस्कृतिक अवसंरचना के अनुरक्षण के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;
(घ) सांस्कृतिक कूटनीति के परिणामों का मूल्यांकन किस प्रकार किया जा रहा है; और
(ङ) भारत को वैश्विक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने हेतु दीर्घकालिक कार्यनीति क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): भारत सरकार ने सांस्कृतिक परिसंपत्तियों, प्रदर्शनियों और धरोहर को विकसित और प्रदर्शित करने हेतु विभिन्न पहलें की हैं। जी20 संस्कृति कार्य समूह ने 'काशी संस्कृति मार्ग' शीर्षक से एक परिणाम दस्तावेज तैयार किया, जिसमें 2030 के बाद के विकास कार्यसूची में "एक स्वतंत्र लक्ष्य के रूप में संस्कृति" को आगे बढ़ाने का समर्थन

किया गया। इसे आगे न्यू दिल्ली लीडर्स डेक्लेरेशन के घोषणापत्र में सर्वसम्मति से समर्थन दिया गया, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा जी20 देशों के प्रतिभागियों को भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सहयोगी अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक परियोजनाएं शुरू की गईं- चार वैश्विक विषयगत वेबिनार; प्रदर्शनियां- रि(एड)ड्रेस: खजुराहो के खजाने की वापसी; भुवनेश्वर में सस्टेन: द क्राफ्ट इडियम, हम्पी में वोवन नेरेटीव्स; जी-20 कला परियोजना- टुगेदर वी आर्ट; जी20 एन्थोलॉजी ऑफ पोएट्री- अंडर द सेम स्काई एंड कल्चर यूनाइट्स ऑल अभियान: जी20 ऑर्केस्ट्रा- सुर वसुधा। नई दिल्ली में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान जी-20 डिजिटल संग्रहालय (संस्कृति गलियारा) और रूट्स एंड रूट्स-प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

जी20 पहलों के समन्वयन द्वारा, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 11 से 23 सितम्बर, 2025 को पांडुलिपि धरोहर के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत का पुन: स्मरण करने संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

(ग): 2023 में भारत की जी20 प्रेसिडेंसी के दौरान, भारत मंडपम, नई दिल्ली में और देश भर के अनेक शहरों में अन्य सांस्कृतिक विरासत स्थलों, स्मारकों आदि पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित किए गए थे। भारत मंडपम स्व-संपोषणीय मॉडल पर कार्य करता है। जी20 कार्यक्रमों के दौरान उपयोग में लाए गए विरासत स्थलों, संग्रहालयों और अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं के रखरखाव का कार्य संस्कृति मंत्रालय और इसके संगठनों की मौजूदा स्कीमों और नियमित बजटीय प्रावधानों के अंतर्गत किया जाता है।

(घ): सांस्कृतिक राजनयिकता के परिणामों का मूल्यांकन सांस्कृतिक भागीदारियों के परिमाण और पहुंच, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सीईपी) की प्रभावशीलता, स्थापित संस्थागत भागीदारियों, किए गए करारों/समझौता ज्ञापनों, क्षमता निर्माण पहल जिनके परिणामस्वरूप अनेक मूल्यवान कलाकृतियों और पुराकृतियों को भारत में वापस लौटाया गया और ऐसी पहल से उत्पन्न निरंतर जन-से-जन (पीपल-टू-पीपल) आदान-प्रदान जैसे मापनीय सूचकों के आधार पर किया जाता है।

(ड.): भारत सरकार अपने सभी सांस्कृतिक आउटरीच कार्यकलापों को संवर्धित और विकसित करने हेतु प्रयासरत है ताकि भारत को वैश्विक सांस्कृतिक केन्द्र का दर्जा प्राप्त हो सके। संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय रूप से बढ़ावा देने और भारत की वैश्विक छवि को संवर्धित करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" कार्यान्वित की जाती है जिसे विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से संचालित किया जाता है।

*****